CBSE Class 10 Hindi A
Sample Paper 01 (2020-21)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

i. इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं – खंड – अ और खंड – ब।
ii. खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उप प्रश्न दिए गये है।
iii. खंड-ब में कुल 8 वर्णात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
iv. दिये गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

गंगा भारत की एक अत्यंत पवित्र नदी है जिसका जल काफ़ी दिनों तक रखने के बावजूद भी खराब नहीं होता है जबकि साधारण जल कुछ ही दिनों में सड़ जाता है। गंगा का उद्गम स्थल गंगोत्री या गोमुख है। गोमुख से भागीरथी नदी निकलती है और देव प्रयाग नामक स्थान पर अलकनंदा नदी से मिलकर आगे गंगा के रूप में प्रवाहित होती है। भागीरथी के देवप्रयाग तक आते-आते इसमें कुछ चट्टानें घुल जाती हैं जिससे इसके जल में ऐसी क्षमता पैदा हो जाती है जो उसके पानी को सड़ने नहीं देती।

हर नदी के जल में कुछ खास तरह के पदार्थ घुले होते हैं जो उसकी विशिष्ट जैविक संरचना के लिए उत्तरदायी होते हैं। ये घुले हुए पदार्थ पानी में कुछ खास तरह के पदार्थ पनपने देते हैं तो कुछ को नहीं। कुछ खास तरह के बैक्टीरिया ही पानी की सड़न के लिए उत्तरदायी होते हैं तो कुछ पानी में सड़न पैदा करने वाले कीटाणुओं को रोकने में सहायता करते हैं। वैज्ञानिक शोधों से पता चलता है कि गंगा के पानी में भी ऐसे बैक्टीरिया हैं जो गंगा के पानी में सड़न पैदा करने वाले कीटाणुओं को पनपने ही नहीं देते। इसलिए गंगा का पानी काफ़ी लंबे समय तक खराब नहीं होता और पवित्र माना जाता है।

I. गंगा जल साधारण जल से किस तरह भिन्न होता है?
   i. उसका जल काफी दिनों तक रखने के बाद भी ख़राब नहीं होता
   ii. उसका जल कुछ ही दिनों में सड जाता है
   iii. उसका जल पीने योग्य नहीं है
   iv. उसका जल पीने योग्य है

II. गंगा का उद्गम स्थल क्या है?
   i. पर्वत
   ii. हिमालय
   iii. गंगोत्री

iv. पहाड़

III. नदी जल में घुले खास पदार्थ क्या योगदान देते हैं?

i. उसे पीने योग्य बनाते हैं

ii. उसमें सडन पैदा करने वाले कीटाणुओं को पनपने से रोकते हैं

iii. उसमें सडन पैदा करने वाले कीटाणुओं को पनपने देते हैं

iv. उसे सुगन्धयुक्त बनाते हैं

IV. देवप्रयाग में आकर गंगा किस नदी से मिलती है?

i. भागीरथी

ii. गोमुख

iii. अलकनंदा

iv. गंगोत्री

V. गद्यांश का उचित शीर्षक होगा -

i. गंगा का महत्व

ii. गंगा

iii. गंगोत्री

iv. गोमुख

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

जाति-प्रथा को यदि श्रम-विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित है। कुशल व्यक्ति या सक्षम श्रमिक समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्ति की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपने पेशे या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धांत के विपरीत जाति-प्रथा का दूषित सिद्धांत यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार पहले से ही अर्थात गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।

जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्वनिर्धारण ही नहीं करती, बल्कि मनुष्य को जीवन-भर के लिए एक पेशे में बाँध भी देती है, भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखों मर जाए। आधुनिक युग में यह स्थिति प्राय आती है, क्योंकि उद्योग धंधे की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और कभी-कभी अकस्मात परिवर्तन हो जाता है, जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न हो तो इसके लिए भूखे मरने के अलावा क्या चारा रह जाता है? हिंदू धर्म की जाति प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है, जो उसका पैतृक पेशा न हो, भले ही वह उसमें पारंगत है। इस प्रकार पेशा-परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति-प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

I. कुशल श्रमिक-समाज का निर्माण करने के लिए क्या आवश्यक है?

i. व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे वह अपने पेशे का चुनाव स्वयं कर सके।
ii. व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे वह अपने पेशे का चुनाव स्वयं न कर सके।
iii. व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे उसके पेशे का चुनाव दूसरे न कर सके।
iv. व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे उसके पेशे का चुनाव दूसरे कर सके।

II. जाति-प्रथा के सिद्धांत का दूषित विचार क्या है ?

i. उसके पेशे का उसके द्वारा निर्धारण करना
ii. उसके पेशे का उसके जन्म से पूर्व निर्धारण करना
iii. उसके पेशे को निश्चित करना
iv. उसके पेशे को अपर्याप्त करना

III. हिन्दू धर्म की जाति-प्रथा किसी भी व्यक्ति को कौनसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है ?

i. जो उसका पैतृक पेशा न हो
ii. जो उसका पैतृक पेशा हो
iii. जिसमें वह पारंगत न हो
iv. जिसमें वह पारंगत हो

IV. कौनसा विभाजन मनुष्य की रूचि पर आधारित है?

i. जाति प्रथा
ii. जाति विभाजन
iii. श्रम विभाजन
iv. उपरोक्त में से कोई नहीं

V. प्रतिकूल परिस्थिति में व्यक्ति पेशा बदलने की स्वतंत्रता न मिलने पर क्या हो सकता है?

i. उसके भूखे मरने की नौबत आ सकती है
ii. उसके पेशा बदलने की नौबत आ सकती है
iii. उसके जाति बदलने की नौबत आ सकती है
iv. उसके श्रम करने की नौबत आ सकती है

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

यह मजूर, जो जेठ मास के इस निधूम अनल में
कर्ममग्न है अविकल दग्ध हुआ पल-पल में;
यह मजूर, जिसके अंगों पर लिपटी एक लँगोटी;
यह मजूर, जर्जर कुटिया में जिसकी वसुधा छोटी;
किस तप में तल्लीन यहाँ है भूख-प्यास को जीते,
किस कठोर साधन में इसके युग के युग हैं बीते।

कितने महा महाधिप आए, हुए विलीन क्षितिज में,

नहीं दृष्टि तक डाली इसने, निर्विकार यह निज में।
यह अविकंप न जाने कितने घूंट पिए हैं विष के,
आज इसे देखा जब मैंने बात नहीं की इससे।
अब ऐसा लगता है, इसके तप से विश्व विकल है,
नया इंद्रपद इसके हित ही निश्चित है निस्संशय।

I. जेठ का महिना कवि को बाधित क्यों नहीं कर रहा है?
   i. क्योंकि वह अपने काम में मग्न है
   ii. क्योंकि उसकी दशा दीन - हीन है
   iii. क्योंकि काम करना उसकी आदत बन चुका है
   iv. क्योंकि उसने विष का घूँट पीया है
II. कवि की दशा कैसी है?
   i. उसकी दशा अच्छी है
   ii. वह पेट भरने लायक भी नहीं कमा पाता
   iii. वह इन्द्रपद पर आसीन है
   iv. वह सुखी है
III. उसने बडे-से-बड़े लोगों को भी अपना कष्ट क्यों नहीं बताया?
   i. क्योंकि किसी ने उसे नहीं समझा
   ii. क्योंकि वह किसी को नहीं जानता
   iii. क्योंकि वह अपने काम में तल्लीन था
   iv. क्योंकि उसके पास समय नहीं था
IV. उसने जीवन को कैसे जिया है?
   i. विष का घूंट पीकर
   ii. अमृत का घूँट पीकर
   iii. पानी का घूँट पीकर
   iv. दूध का घूंट पीकर
V. मजदूर की दशा देखकर कवि को क्या लगता है?
   i. वह बहुत प्रसन्न है
   ii. वह बहुत दुखी है
   iii. वह बहुत उदास है
   iv. उसकी दशा में सुधार होगा

OR

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

आज की दुनिया विचित्र, नवीन;
प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन।
हैं बँधे नर के करों में वारि, विद्युत, भाप,
हुक्म पर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप।
है नहीं बाकी कहीं व्यवधान,
लाँघ सकता नर सरित्, गिरि, सिंधु एक समान।
प्रकृति के सब तत्त्व करते हैं मनुज के कार्य;
मानते हैं हुक्म मानव का महा वरुणेश,

और करता शब्दगुण अंबर वहन संदेश।
नव्य नर की मुष्टि में विकराल,
हैं सिमटते जा रहे प्रत्येक क्षण विकराल।
यह प्रगति निस्सीम! नर का यह अपूर्व विकास!
चरण-तल भूगोल! मुट्ठी में निखिल आकाश!
किंतु, है बढ़ता गया मस्तिष्क ही निःशेष,
शीश पर आदेश कर अवधार्य,
छूट पर पीछे गया है रह हृदय का देश;
मोम-सी कोई मुलायम चीज़
ताप पाकर जो उठे मन में पसीज-पसीज।

I. कवि को आज की दुनिया विचित्र और नवीन क्यों लग रही है?
   i. क्योंकि आज मानव ने सभी क्षेत्रों पर विजय प्राप्त की है।
   ii. क्योंकि आज मानव ने किसी क्षेत्र में विजय प्राप्त नहीं की है।
   iii. क्योंकि आज मानव को कहीं रूकावट नहीं है।
   iv. इनमें से कोई नहीं।

II. 'हैं नहीं बाकी कहीं व्यवधान' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?
   i. क्योंकि अब मनुष्य के सामने बहुत रूकावट हैं।
   ii. क्योंकि अब मनुष्य के सामने कोई रूकावट नहीं है।
   iii. क्योंकि अब मनुष्य का ज्ञान बढ़ गया है।
   iv. क्योंकि अब मनुष्य ने प्रगति कर ली है।

III. मानव द्वारा किए गए वैज्ञानिक प्रगति के अद्भुत विकास कवि को खुशी नहीं दे रहे हैं, क्यों?
   i. क्योंकि उसने प्रकृति को बदल दिया है।
   ii. क्योंकि उसके मस्तिष्क का विकास हो गया है।
   iii. क्योंकि उसके जीवन - मूल्यों में गिरावट आ गई है।

iv. क्योंकि उसने प्रकृति को नया कर दिया है।

IV. पवन का ताप किसके आदेश पर चढ़ता और उतरता है ?

i. प्रकृति के

ii. दुनिया के

iii. मनुष्य के

iv. नदियों के

V. 'अपूर्व' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है -

i. अ

ii. आ

iii. पूर्व

iv. पू

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. रमा बीमार होने के कारण आज स्कूल नहीं गई - वाक्य का मिश्र वाक्य में परिवर्तित रूप है -

a. चूँकि रमा बीमार है इसलिए वह स्कूल नहीं गई।

b. बीमार होने के कारण रमा स्कूल नहीं गई।

c. रमा बीमार थी इसलिए स्कूल नहीं गई।

d. रमा स्कूल नहीं गई क्योंकि वह बीमार थी।

ii. मैंने एक फूल देखा <u>जो खिल रहा था</u>। रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए।

a. विशेषण उपवाक्य

b. प्रधान उपवाक्य

c. संज्ञा उपवाक्य

d. क्रिया विशेषण उपवाक्य

iii. जो अच्छा लेखक होता है वह अपने पाठकों की रूचि को समझता है। - रचना के आधार पर उचित वाक्य भेद लिखिए।

a. मिश्र वाक्य

b. सरल वाक्य

c. संयुक्त वाक्य

d. संज्ञा उपवाक्य

iv. रचना की दृष्टि से निम्नलिखित वाक्य किस प्रकार का है -' जिनकी आय अधिक है, उन्हें दूसरों की सहायता करनी चाहिए।'

a. सरल वाक्य

b. प्रधान उपवाक्य

c. मिश्र वाक्य

d. संयुक्त वाक्य

v. रचना की दृष्टि से वाक्य के कितने भेद होते हैं ?

a. दो

b. तीन

c. चार

d. एक

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. निम्नलिखित में से कर्मवाच्य का उचित उदाहरण होगा -

a. मैं बैठ नहीं सकता।

b. पक्षी उड़ रहे हैं।

c. राम से नहीं पढ़ा जाता।

d. बच्चे से गिलास टूट गया।

ii. नेताजी द्वारा उद्घाटन किया गया - वाक्य किस वाच्य का उदाहरण है ?

a. कर्मवाच्य का

b. भाववाच्य का

c. क्रिया का

d. कर्तृवाच्य का

iii. बालक पत्र लिखता है - वाक्य का उचित कर्मवाच्य होगा -

a. बालक के द्वारा पत्र लिखा जाता है।

b. बालक ने पत्र लिखा था।

c. बालक पत्र लिखता था।

d. बालक ने पत्र लिखा।

iv. वह पैदल नहीं चल सकता - वाक्य में प्रयुक्त वाच्य लिखिए।

a. भाववाच्य

b. कर्मवाच्य

c. क्रियावाच्य

d. कर्तृवाच्य

v. कर्तृवाच्य में किसकी प्रधानता होती है ?

a. कर्ता की

b. कर्म की

c. भाव की

d. क्रिया की

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. तुम कल कहाँ गए थे? - रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा -

a. व्यक्ति वाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग

b. अन्यपुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, स्त्रीलिंग

c. मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

d. उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन

ii. शाबाश ! तुमने बहुत अच्छा काम किया - रेखांकित पद के लिए उचित पद परिचय चुनिए।

a. विस्मयादिबोधक

b. संबंधबोधक

c. समुच्चयबोधक

d. क्रियाविशेषण

iii. वह पेड़ के नीचे बैठा है - रेखांकित पद का उचित परिचय होगा -

a. क्रियाविशेषण

b. विस्मयादिबोधक

c. समुच्चयबोधक

d. संबंधबोधक

iv. मैं यह दुःख नहीं सह सकता। रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

a. व्यक्तिवाचक संज्ञा

b. समूहवाचक संज्ञा

c. द्रव्यवाचक संज्ञा

d. भाववाचक संज्ञा

v. रचना काम कर रही है - रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

a. समूहवाचक संज्ञा

b. द्रव्यवाचक संज्ञा

c. जातिवाचक संज्ञा

d. व्यक्तिवाचक संज्ञा

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. विभाव, अनुभाव और संचारी भाव की सहायता से रस रूप में क्या परिवर्तित हो जाते हैं ?

a. व्यभिचारी भाव

b. भाव

c. संचारी भाव

d. स्थायी भाव

ii. वीर रस का स्थायी भाव कौनसा है ?

a. क्रोध

b. हास

c. उत्साह

d. शोक

iii. नाक तमंचे जैसी इसकी, उसकी नाक दुनाली।
किसी-किसी की भरी-भरी सी, किसी-किसी की खाली।।
पंक्तियों में प्रयुक्त रस और स्थायी भाव बताइए।

a. करुण रस, शोक

b. श्रृंगार रस, रति

c. हास्य रस, हास

d. वीर रस, उत्साह

iv. रौद्र रस का स्थायी भाव क्या होगा?

a. भय

b. उत्साह

c. रति

d. क्रोध

v. हास्य रस का उपयुक्त उदाहरण कौन-सा होगा-

a. मैया मोरि मैं नाही माखन खायो।

b. लाला की लाली यों बोली, सारा खाना ये चर जाएँगे।
जो बच्चे भूखे बैठे हैं, क्या पंडित जी को खाएँगे।।

c. बढ़े चलो, बढ़े चलो, वीर तुम बढ़े चलो।

d. हाँ सही न जाती मुझसे, अब आज भूख की ज्वाला।

7. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

पानवाले के लिए यह एक मजेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित और द्रवित करने वाली। यानी वह ठीक ही सोच रहे थे। मूर्ति के नीचे लिखा 'मूर्तिकार मास्टर मोतीलाल' वाकई कस्बे का अध्यापक था। बेचारे ने महीने-भर में मूर्ति बनाकर पटक देने का वादा कर दिया होगा। बना भी ली होगी लेकिन पत्थर में पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाए - काँचवाला - यह तय नहीं कर पाया होगा। या कोशिश की होगी और असफल रहा होगा। या बनाते-बनाते 'कुछ और बारीकी' के चक्कर में चश्मा टूट गया होगा। या पत्थर का चश्मा अलग से बनाकर फिट किया होगा और वह निकल गया होगा। उफ़.....!

I. पानवाले के लिए क्या बात मज़ेदार थी ?

i. पत्थर का चश्मा

ii. काँच का चश्मा

iii. मूर्ति

iv. मूर्ति पर चश्मा न होना

II. हालदार साहब की दृष्टि में कस्बे का अध्यापक 'बेचारा' क्यों था?

i. क्योंकि वह मूर्ति पर चश्मा नहीं लगा पाया था

ii. क्योंकि उसने मूर्ति अच्छी नहीं बनाई थी

iii. क्योंकि उसने पत्थर का चश्मा बनाया

iv. क्योंकि चश्मा टूट गया था

III. हालदार साहब ने नेताजी की प्रतिमा पर चश्मा न होने क्या कारण नहीं बताया ?

i. बारीकी के चक्कर में चश्मा टूट जाना

ii. पत्थर का चश्मा बनाना

iii. काँच का चश्मा

iv. मूर्ति का अच्छा नहीं होना

IV. मूर्ति किसने बनाई थी?

i. हालदार साहब ने

ii. अध्यापक ने

iii. बच्चे ने

iv. पानवाले ने

V. हालदार साहब के लिए चश्मे वाली बात कैसी थी?

i. मजेदार

ii. हंसने वाली

iii. चकित और द्रवित

iv. दुखी करने वाली

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. चश्मेवाले को पागल कहने में पानवाले की उसके प्रति कौनसी भावना का पता लगता है ?

a. सम्मान की

b. प्रशंसा की

c. श्रद्धा की

d. उपेक्षा की

ii. 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' - का प्रयोग किनके लिए किया गया है ?

a. मन्नू भंडारी

b. बालगोबिन भगत

c. फादर कामिल बुल्के

d. कैप्टन चश्मे वाला

iii. संन्यासी बनते हुए फादर कामिल बुल्के ने क्या शर्त रखी?

a. कर्मभूमि के रूप में भारत को चुनने की

b. अपने परिवार व मित्रों को न छोड़ने की

c. हिंदी का प्रचार -प्रसार करने की

d. जन्मभूमि न छोड़ने की

9. **निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

बिहँसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि-पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फँक पहारू।।
इहाँ कुम्हड़बतियाँ कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कुछ कहहु सह रिस रोकी ।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।
बधे पापु अपकीरति हारे। मारतहू पा परिअ तुम्हारे।।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।

I. 'कुम्हड़बतिया' का प्रयोग किसने किया है?
   i. परशुराम
   ii. लक्ष्मण
   iii. कौशिक
   iv. राम

II. लक्ष्मण के हँसने का क्या कारण है?
   i. परशुराम को देखकर
   ii. धनुष टूटने से
   iii. बिना किसी कारण के
   iv. परशुराम की गर्व भरी बात सुनकर

III. 'मुनीसु' किसके लिए प्रयोग किया गया है?
   i. परशुराम
   ii. राम
   iii. लक्ष्मण
   iv. मुनि

IV. लक्ष्मण परशुराम पर वार क्यों नहीं कर रहे हैं?
   i. क्रोधित होने के कारण
   ii. अस्त्र-शस्त्र होने के कारण
   iii. ब्राह्मण होने के कारण
   iv. शक्तिशाली होने के कारण

V. लक्ष्मण ने परशुराम के बोली को कैसा कहा है?
   i. अत्यंत कठोर
   ii. मधुर

iii. व्यंग्य
iv. व्यर्थ

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:
   i. यहाँ कोई छुई-मुई का फूल नहीं है जो तुम्हारी तर्जनी देख कर डर जाए- यह कथन किसका है ?
      a. राम
      b. लक्ष्मण
      c. सम्पूर्ण सभा
      d. विश्वामित्र
   ii. स्त्री जीवन का बंधन कवि ने किसको बताया है?
      a. गृहस्थ जीवन
      b. उपर्युक्त सभी
      c. माता और पिता
      d. वस्त्र और आभूषण

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:
   i. "उनका बेटा बीमार है, इसकी खबर रखने की लोगों को कहाँ फुरसत?" पंक्ति में आधुनिक युग के मानव की किस मानसिकता पर व्यंग्य किया गया है?
   ii. 'लखनवी अंदाज़' पाठ के नवाब साहब पतनशील सामन्ती वर्ग के जीते-जागते उदाहरण हैं। टिप्पणी लिखिए।
   iii. पानवाला एक हँसोड़ स्वभाव वाला व्यक्ति है, परन्तु उसके हृदय में संवेदना भी है। इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।
   iv. फ़ादर बुल्के को भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग किस आधार पर कहा गया है?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:
   i. लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना' का क्या भाव है?
   ii. कवि ने 'उत्साह' कविता बादलों को क्यों सम्बोधित की है ?
   iii. धनुष टूटने के बाद परशुराम ने फरसे की तरफ देख कर लक्ष्मण को न मारने का क्या तर्क दिया?

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:
   i. साँप का भय तथा माँ की गोद में शरण की घटना को माता का अँचल पाठ के आधार पर अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।
   ii. और देखते ही देखते नई दिल्ली की काया पलट होने लगा -नई दिल्ली के काया पलट के लिए क्या-क्या प्रयत्न किए गए।
   iii. ऐसा कौन-सा दृश्य लेखिका ने देखा जिसने उनकी चेतना को झकझोर डाला? "साना-साना हाथ जोड़ि" पाठ के आधार पर संक्षेप में लिखिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:
   i. **कंप्यूटर हमारा मित्र** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
      - क्या है

- विद्यार्थियों के लिए उपयोग
- सुझाव

ii. **प्लास्टिक की दुनिया** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- प्लास्टिक का आविष्कार और इसका उपयोग
- प्लास्टिक के गुण एवं दोष
- प्लास्टिक का पर्यावरण पर प्रभाव

iii. **स्वास्थ्य की रक्षा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- आवश्यकता
- पोषक भोजन
- लाभकारी सुझाव

15. अपनी गलत आदतों का पश्चात्ताप करते हुए अपनी माताजी को पत्र लिखिए और उन्हें आश्वासन दिलाइए कि फिर ऐसा न होगा।

OR

विद्यालय में दसवीं और बारहवीं कक्षा के अच्छे परिणामों पर प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर सुझाव दें कि उन्हें और अच्छा कैसे बनाया जा सकता है?

16. आप एक पब्लिशर है। आप से पुस्तकों के प्रचार-प्रसार हेतु 20-24 साल तक के युवकों की आवश्यकता है जो ट्रैवलिंग में रुचि रखते हों। इस हेतु एक विज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए।

OR

किसी शीतल पेय की बिक्री बढ़ाने वाला एक विज्ञापन तैयार कीजिए। (25-50 शब्दों में).

17. अपने पुत्र को जन्मदिन की शुभकामनाएँ देते हुए 30-40 शब्दों में एक संदेश लिखिए।

OR

आप गिरीश सिंह हैं। किसी शर्मा जी का फोन आया है। वह आप के माता जी से बात करना चाहते हैं। लेकिन आपकी माता जी घर पर नहीं हैं। इस विषय को ध्यान में रखते हुए 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

CBSE Class 10 Hindi A

Sample Paper 01 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (i) उसका जल काफी दिनों तक रखने के बाद भी ख़राब नहीं होता

   II. (iii) गंगोत्री

   III. (ii) उसमें सडन पैदा करने वाले कीटाणुओं को पनपने से रोकते हैं

   IV. (iii) अलकनंदा

   V. (i) गंगा का महत्व

OR

   I. (i) व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना कि वह अपने पेशे का चुनाव स्वयं कर सके।

   II. (ii) उसके पेशे का उसके जन्म से पूर्व निर्धारण करना

   III. (ii) जो उसका पैतृक पेशा न हो

   IV. (iii) श्रम विभाजन

   V. (i) उसके भूखे मरने की नौबत आ सकती है

2. I. (i) क्योंकि वह अपने काम में मग्न है

   II. (ii) वह पेट भरने लायक भी नहीं कमा पाता

   III. (iii) क्योंकि वह अपने काम में तल्लीन है

   IV. (i) विष का घूँट पीकर

   V. (iv) उसकी दशा में सुधार होगा

OR

   I. (i) क्योंकि आज मानव ने सभी क्षेत्रों पर विजय प्राप्त की है।

   II. (ii) अब मनुष्य के सामने कोई रूकावट नहीं है।

   III. (iii) क्योंकि उसके जीवन मूल्यों में गिरावट आ गई है।

   IV. (iii) मनुष्य के।

   V. (i) अ

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

   i. (a) चूँकि रमा बीमार है इसलिए वह स्कूल नहीं गई।

   Explanation: मिश्र वाक्य में एक प्रधान और दूसरा आश्रित उपवाक्य होता है। इस वाक्य में 'वह स्कूल नहीं गई'

प्रधान उपवाक्य है।

ii. (a) विशेषण उपवाक्य

Explanation: इस वाक्य में 'जो खिल रहा था' 'फूल' की विशेषता बता रहा है इसलिए यह विशेषण उपवाक्य है।

iii. (a) मिश्र वाक्य

Explanation: यहाँ एक प्रधान उपवाक्य है और एक आश्रित उपवाक्य है इसलिए यह मिश्र वाक्य है।

iv. (d) संयुक्त वाक्य

Explanation: यह मिश्र वाक्य का उदाहरण है क्योंकि इसमें एक प्रधान और दूसरा आश्रित उपवाक्य है।

v. (b) तीन

Explanation: रचना की दृष्टि से वाक्य के तीन भेद होते हैं - सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य और मिश्रित वाक्य।

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (d) बच्चे से गिलास टूट गया।

Explanation: कर्मवाच्य का उचित उदाहरण यही है क्योंकि यहाँ कर्ता के साथ 'से' लगा हुआ है और क्रिया 'गिलास' कर्म के अनुसार है।

ii. (a) कर्मवाच्य का

Explanation: यह कर्मवाच्य का उदाहरण है क्योंकि यहाँ कर्ता 'नेताजी' के साथ 'द्वारा' लगा हुआ है और क्रिया कर्म 'उद्घाटन' के अनुसार है।

iii. (a) बालक के द्वारा पत्र लिखा जाता है।

Explanation: कर्तृवाच्य को कर्मवाच्य में बदलते समय कर्ता के साथ 'से' या 'के द्वारा' लगाया जाता है।

iv. (d) कर्तृवाच्य

Explanation: इस वाक्य में' पैदल चलने' की क्रिया 'वह' कर्ता के अनुसार होने के कारण यहाँ कर्तृवाच्य है।

v. (a) कर्ता की

Explanation: कर्तृवाच्य में कर्ता की प्रधानता होती है और क्रिया कर्ता के अनुसार परिवर्तित होती है।

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (c) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

Explanation: मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम है। क्रिया पुल्लिंग और बहुवचन में होने के कारण 'तुम' भी पुल्लिंग, बहुवचन है।

ii. (a) विस्मयादिबोधक

Explanation: यह विस्मयादिबोधक अव्यय है क्योंकि हर्ष के कारण यहाँ विस्मय उत्पन्न हो रहा है।

iii. (d) संबंधबोधक

Explanation: यह संबंधबोधक अव्यय है क्योंकि यह 'बैठने' क्रिया का 'पेड़' के साथ संबंध बता रहा है।

iv. (d) भाववाचक संज्ञा

Explanation: 'दुःख' भाव होने के कारण भाववाचक संज्ञा है।

v. (d) व्यक्तिवाचक संज्ञा

Explanation: 'रचना' व्यक्ति का नाम होने के कारण व्यक्तिवाचक संज्ञा है।

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. (d) स्थायी भाव

      Explanation: विभाव, अनुभाव और संचारी भाव की सहायता से स्थायी भाव को रस रूप में परिवर्तित कर देते हैं।

   ii. (c) उत्साह

      Explanation: वीर रस में उत्साह की प्रधानता होने के कारण इसका स्थायी भाव उत्साह है।

   iii. (c) हास्य रस, हास

      Explanation: हास्य की अधिकता के कारण यहाँ हास्य रस है। इसका स्थायी भाव हास है।

   iv. (d) क्रोध

      Explanation: क्रोध की अधिकता होने के कारण रौद्र रस का स्थायी भाव क्रोध होता है।

   v. (b) लाला की लाली यों बोली, सारा खाना ये चर जाएँगे।
      जो बच्चे भूखे बैठे हैं, क्या पंडित जी को खाएँगे।।

      Explanation: यहाँ पंडित जी पर अधिक खाना खाने के लिए व्यंग्य किया जा रहा है इसलिए यहाँ हास्य रस है।

7. I. (iv) मूर्ति पर चश्मा न होना
   II. (i) क्योंकि वह मूर्ति पर चश्मा नहीं लगा पाया था
   III. (iv) मूर्ति का अच्छा नहीं होना
   IV. (ii) अध्यापक ने
   V. (iii) चकित और द्रवित

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:
   i. (d) उपेक्षा की

      Explanation: चश्मेवाले के प्रति पानवाले के मन में उपेक्षा के भाव थे इसलिए उसने उसे पागल कहकर उसका उपहास भी बनाया था।

   ii. (c) फादर कामिल बुल्के

      Explanation: 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक'- फादर कामिल बुल्के के जीवन पर् आधारित संस्मरण है।

   iii. (a) कर्मभूमि के रूप में भारत को चुनने की

      Explanation: संन्यासी बनते हुए फादर ने भारत को अपनी कर्मभूमि के रूप में चुना।

9. I. (ii) लक्ष्मण
   II. (iv) परशुराम की गर्व भरी बात सुनकर
   III. (i) परशुराम
   IV. (iii) ब्राह्मण होने के कारण
   V. (i) अत्यंत कठोर

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:
    i. (b) लक्ष्मण

Explanation: यह कथन लक्ष्मण का है, क्योंकि परशुराम जी बार-बार उन्हें अपना फरसा दिखा कर भयभीत करना चाहते थे।

ii. (d) वस्त्र और आभूषण

Explanation: वस्त्र और आभूषण

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:

i. इस पंक्ति द्वारा लेखक ने मानव की उस स्वार्थी प्रवृत्ति की मानसिकता पर व्यंग्य किया है जिसमे उसे अपने सिवाय दूसरा कोई नज़र ही नहीं आता | वर्तमान समय में व्यक्ति अपने क्रियाकलापों में ही इतना व्यस्त हो गया है कि दूसरे के बारे में सोचने का उसके पास वक्त भी नहीं है | इस प्रकार की प्रवृत्ति मनुष्य की संवेदनहीनता की परिचायक है |

ii. 'लखनवी अंदाज़' पाठ के नवाब साहब पतनशील सामंती वर्ग के जीते-जागते उदाहरण हैं | वास्तविकता से बेखबर, बनावटी जीवन शैली जीने वाले नवाब साहब ने ट्रेन में लेखके की संगति के प्रति कोई उत्साह नहीं दिखाया | खानदानी रईस बनने का अभिनय करते हुए खीरा खाने में भी वे नजाकत दिखाते हैं और उसे सूंघने मात्र से पेट भरने की झूठी तुष्टि करते हैं |

iii. पानवाला एक हंसोड़ स्वभाव वाला व्यक्ति है परन्तु उसका ह्रदय संवेदनशील भी है | हालदार साहब ने जब मूर्ति की आँखों पर चश्मा नहीं देखा तो उन्होंने लिए पानवाले से पूछा तो उसने उदास होकर अपनी आँखें पोंछते हुए बताया कि कैप्टन मर गया | पानवाला गंभीर बात को भी हँस कर बताता था पर कैप्टन की मृत्यु पर दुःख प्रकट करना उसकी संवेदनशीलता का उदाहरण है |

iv. फादर बुल्के भारतीय संस्कृति में पूरी तरह रच-बस गए थे | अपने देश का नाम पूछने पर वह भारत को ही अपना देश बताते थे | यहाँ आकर उन्होंने धर्माचार की पढ़ाई की और कोलकाता से बी. ए. तथा इलाहाबाद से एम.ए. की उपाधि प्राप्त की। साथ ही प्रयोग विश्वविद्यालय से 'रामकथा: उत्पत्ति और विकास' विषय पर शोध प्रबंध तैयार किया। वे हिन्दी और संस्कृत के विभागाध्यक्ष रहे। जहाँ हिन्दीभाषी हिंदी की उपेक्षा करते थे वहीँ उन्हें हिंदी से विशेष लगाव था और वे उसे राष्ट्रभाषा के रूप में देखना चाहते थे। इससे सिद्ध होता है कि फादर बुल्के भारतीय संस्कृति के एक अभिन्न अंग थे |

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

i. लड़की के समान कोमल भावनाओं और गुणों को ग्रहण करना लेकिन कमजोरी मत अपनाना। लज्जा और कोमलता को कोई अनुचित न समझे। लड़कियां वास्तव में सरल स्वभाव की भोली-भाली और समाज के बारे में इतना उनको ज्ञान नहीं होता है तो माँ उनसे यही कहना चाहती है कि मेरी प्रिय बेटी आप लड़की हो पर लड़की की जैसी दिखाई मत देना क्योंकि समाज में जो भोले भाले इंसान होते हैं उनको लोग हर समय प्रताड़ित करते रहते हैं आप को समझदार होना है और समझदारी से काम लेना है आप लड़की हो तो लड़के जैसे कोमल सुभाव के ही नहीं रहना आपको अपने स्वभाव में कठोरता लेकर आनी है तभी आप ससुराल में अच्छे से रह पाएंगे।

ii. कवि ने उत्साह कविता बादलों को इसलिए संबोधित की है क्योंकि 'बादल' निराला का प्रिय विषय है | जहाँ कविता में बादल एक ओर प्यास से पीड़ित लोगों की प्यास बुझाने वाला है वहीँ दूसरी ओर उसे नवीन कल्पना और नवांकुर के लिए विप्लव और क्रांति चेतना को संभव करने वाला भी माना है |

iii. राम-लक्ष्मण और परशुराम संवाद में-

धनुष टूटने पर परशुराम ने लक्ष्मण को न मारने का तर्क दिया कि वह उन्होंने उसे बालक समझकर उसे अभी तक छोड़ा हुआ है | परशुराम ने अपने फरसे की प्रशंसा की कि वह सहस्रबाहु की भुजाओं को काट देने वाला और गर्भ के बच्चों का नाश करने वाला है। यह छोटे-बड़े की भी परवाह नहीं करता। भगवान परशुराम आगे लक्ष्मण से कहते हैं कि अगर आपने इसी उदंडता से और बात की तो मैं इस फरसे से तुम्हारा सर धड़ से अलग कर दूँगा |

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:

    i. लेखक और उसके साथी मकई के खेत में दौड़ पड़े | वहाँ खेल के दौरान वे सब चूहों के बिल में पानी उलीचने लगे | उनमे से जब चूहे बाहर निकल कर आते तो उन्हें बड़ा ही मजा आता | ऐसे ही एक बिल में से अचानक सांप निकल कर आया | सब बच्चे रोते चिल्लाते गिरते-पड़ते बेहताशा भागे। कोई औंधा गिरा ,कोई चित्त। किसी का सिर फूटा, किसी के दाँत। सारी देह लहूलुहान हो गई। पैरों के तलवे काँटों से छलनी हो गए। लेखक लहूलुहान, बदहवास-सा होकर दौड़ा हुआ आया और घर में घुस गया। बाबूजी बरामदे में हुक्का गुड़गुड़ा रहे थे। उन्होंने पुकारा किंतु लेखक सीधा माँ की गोद में जा छिपा। माँ उस समय चावल साफ़ कर रही थी | अपने काम को उन्होंने वहीं छोड़ दिया | बच्चे को काँपता देखकर माँ का दिल भर आया और वे रोने लगी | उसके अंग दबाते हुए वे उसे चूमने लगी। वे उसे प्यार करते हुए उससे डरने का कारण पूछने लगी।उन्होंने झटपट हल्दी पीसकर घावों पर लगाई। सारे घर में कुहराम मच गया। लेखक धीमे स्वर में "साँ.... स..... साँ......" ही कह पाता था। सारा शरीर थर-थर काँप रहा था। आँखें चाहकर भी नहीं खुलती थी। माँ उसे बड़े लाड़ से गले लगाए हुए थी। बाबूजी ने दौड़कर उसे अपनी गोद में लेना चाहा किंतु लेखक ने माँ का आँचल न छोड़ा |

    ii. नई दिल्ली का कायापलट करने के लिए निम्नलिखित प्रयास किए गए होंगे:-
        a. सभी मुख्य इमारतों की मरम्मत की गई होगी तथा उन्हें रँगा जा रहा होगा।
        b. सड़कों को पानी से धोया जा रहा होगा।
        c. वहाँ रोशनी की व्यवस्था की गई होगी।
        d. रास्तों पर दोनों देशों के झंडे लगाए गए होंगे।
        e. गरीबों को सड़कों के किनारे से हटाया गया होगा।
        f. दर्शनीय स्थानों की सजावट की गई होगी।
        g. सभी सरकारी भवनों को रंगा गया होगा।
        h. कहीं कोई त्रुटि न रह जाए, इस पर विशेष ध्यान दिया गया होगा।
        i. रानी की सुरक्षा के कड़े प्रबन्ध किए गए होंगे।
        j. मुख्य मार्गों के किनारे के पेड़ों की कटाई-छंटाई की गई होगी। जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए गए होंगे। सरकारी भवनों पर दोनों देशों के ध्वज लगाए गए होंगे।

    iii. प्रकृति के अनुपम सौंदर्य के अलौकिक आनंद में डूबी लेखिका को कई दृश्य झकझोर गए। लेखिका जब प्रकृति के अलौकिक सौन्दर्य में डूबी हुई थी; उसी समय उसका ध्यान पत्थर तोड़ती हुई पहाड़ी औरतों पर गया। जिनके शरीर तो गुंथे हुए आटे के समान कोमल थे किन्तु उनके हाथों में कुदाल और हथौड़े थे। उनमें से कुछ की पीठ पर बँधी एक बड़ी टोकरी में उनके बच्चे भी थे। इतने स्वर्गीय सौन्दर्य के बीच मातृत्व और श्रम साधना के साथ-साथ भूख, मौत, दैन्य और ज़िदा रहने की जंग जो पहाड़ों में रास्ता बनाने वाली ये श्रमिक औरतें झेल रही हैं। बर्फ से ढके आधे हरे काले पहाड़ जिन पर ताजी बर्फ का पाउडर छिड़का गया हो गया हो। चिकने - चिकने गुलाबी पत्थरों के बीच इठला कर बहती चांदी की तरह

चमकती बनी ठनी तीस्ता नदी और दूध की धार की तरह झर - झर गिरते जलप्रपात ।प्राकृतिक सौन्दर्य में इन दृश्यों ने लेखिका की चेतना को झकझोर डाला।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **कंप्यूटर हमारा मित्र**

ऑक्सफॉर्ड डिक्शनरी के अनुसार, "कंप्यूटर एक स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक मशीन है, जो अनेक प्रकार की तर्कपूर्ण गणनाओं के लिए प्रयोग किया जाता है।" कंप्यूटर बिजली से चलने वाली मशीन है, जिसकी प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होती है- इनपुट, प्रोसेस, आउटपुट अर्थात् जब हम कंप्यूटर में कोई डाटा इनपुट करते हैं, तो कंप्यूटर उस डाटा को प्रोसेस करके प्रयोगकर्ता को आउटपुट प्रदान करता है।

आज का युग कंप्यूटर का युग है। कंप्यूटर ने मानव जीवन को सरल बना दिया है। कंप्यूटर बड़े से बड़े काम को कुछ मिनटों में पूरा कर देता है। कंप्यूटर प्रत्येक वर्ग के जीवन का एक अनिवार्य अंग है। बच्चे हों या युवा, प्रौढ़ हों या बुजुर्ग कंप्यूटर ने सभी वर्गों में अपनी | अनिवार्यता सिद्ध कर दी है। विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर वर्तमान समय में बहु उपयोगी साधन प्रतीत होता है। गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, सामान्य ज्ञान आदि विषयों का अध्ययन विद्यार्थियों द्वारा कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है। पढ़ाई-लिखाई से लेकर मनोरंजन आदि तक के लिए कंप्यूटर अपनी महता को दर्शाता है। इन सभी के अतिरिक्त विद्यार्थियों द्वारा इसका गलत ढंग से प्रयोग किया जाता है, जिसके कारण वे अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं और जीवन को बर्बाद कर लेते हैं। अतः प्रत्येक विद्यार्थी को कंप्यूटर का प्रयोग अपने मित्र की भाँति करना चाहिए, जिससे वे अधिकाधिक लाभ अर्जित कर सकें। कंप्यूटर का गलत ढंग से उपयोग करने से विद्यार्थियों को बहुत-सी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अतः प्रत्येक विद्यार्थी को कंप्यूटर का प्रयोग अच्छी चीजों को ढूंढने, अध्ययन आदि करने हेतु करना चाहिए।

ii. **प्लास्टिक की दुनिया**

प्लास्टिक का आविष्कार ड्यू बोयस एवं जॉन द्वारा किया गया था। प्लास्टिक का उपयोग मशीन के कल-पुर्जो, पानी की टंकियों, दरवाज़ों, खिड़कियों, चप्पल-जूतों, रेडियो, टेलीविज़न, वाहनों के हिस्सों, आदि में किया जाता है, क्योंकि प्लास्टिक से बनी वस्तुएँ आसानी से खराब नहीं होतीं। यदि किसी कारण ये टूट-फूट जाएँ, तो इन्हें फिर से बनाकर पुनः उपयोग में लाया जा सकता है।

इनमें मनचाहा रंग मिलाकर इन्हें अधिक आकर्षक भी बनाया जा सकता है। यही कारण है कि प्लास्टिक से बने आकर्षक रंग-बिरंगे फूल असली फूलों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं। आज लोगों को बाज़ार से सामान प्लास्टिक के बने आकर्षक थैलों में पैक करके मिलता है।

इसके अनेक उपयोग के बावजूद प्लास्टिक से बनी वस्तुओं से पर्यावरण बुरी तरह दुष्प्रभावित हो रहा है। प्लास्टिक कभी न गलने-सड़ने वाला पदार्थ है, जिसके कारण भूमि, जल, पर्यावरण आदि अत्यधिक प्रदूषित होते जा रहे हैं। अतः हमें प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करना चाहिए, ताकि पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सके।

iii. **स्वास्थ्य की रक्षा**

वर्तमान समय में प्रत्येक मनुष्य की जीवन-शैली इतनी भागदौड़ से भर गई है कि वे अपने स्वास्थ्य की रक्षा कर पाने में असमर्थ हो चुके हैं। जहाँ पहले के समय में व्यक्ति की औसत आयु 75 वर्ष थी, वह आज घटकर 60 वर्ष हो गई है। स्वास्थ्य की रक्षा बहुत ही आवश्यक है। खराब स्वास्थ्य के साथ व्यक्ति कोई भी कार्य उचित तौर-तरीके से नहीं कर पाता है। प्रत्येक व्यक्ति को आधारभूत वस्तुओं का संचय करने के लिए स्वस्थ रहने की आवश्यकता है। कहा जाता है स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है, इसीलिए स्वास्थ्य की रक्षा हमारे लिए आवश्यक है। स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पोषक भोजन लेना अति आवश्यक है।

हरी सब्जियाँ, दूध, दही, फल आदि का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हुए हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करता है। आजकल जंकफूड और फास्ट फूड का प्रचलन अपने चरम पर है। इसकी चपेट में लाखों लोग आ चुके हैं। और इसी कारण वे अपना स्वास्थ्य खराब कर चुके हैं। आजकल के बच्चों को मोटापा, सुस्ती व भिन्न-भिन्न प्रकार की बीमारियों ने जकड़ लिया है। हमें जंक फूड एवं फास्ट-फूड से दूरी बनाते हुए पौष्टिक आहार लेने चाहिए, जिससे हम अपने स्वास्थ्य की रक्षा करते हुए, अपने और दूसरों के जीवन को खुशियाँ प्रदान कर सकें।

15. रीठोला, नई दिल्ली

२४ मार्च २०१९

आदरणीया माताजी,

चरण कमल स्पर्श

कल २३ मार्च की शाम को मैं बाज़ार गया था वहाँ एक दुकान के काउंटर पर किसी का सुंदर पेन देखकर मेरा मन ललचा गया और आपको पता है कि पेन इकट्ठा करने का मुझे कितना शौक है इसीलिए मैंने बिना कुछ सोचे समझे उसे उठा लिया यद्यपि मैं सिर्फ उसे अपने हाथों में देखना चाहता था,वहाँ बहुत भीड़ थी और पेन न पाकर दुकानदार ने शोर मचा दिया और लोग मुझे देख रहे थे क्योंकि मैं उस पेन को देखने में व्यस्त था। मुझे बड़ी शर्मिंदगी हुई और इससे पूरे परिवार का नाम बदनाम हुआ। मुझे खेद है कि मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।

अतः आपसे क्षमा याचना करता हूँ। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति नहीं होगी।

आपका आज्ञाकारी बेटा

दिनेश

OR

सेवा में,

श्रीमान प्रधानाचार्य महोदय,

एम.डी.एच

द्वारका सेक्टर - 6,

नई दिल्ली

विषय- दसवीं और बारहवीं परीक्षा के अच्छे परीक्षा परिणाम के संदर्भ में

मान्यवर,

सविनय निवेदन है कि हमारा विद्यालय दिल्ली के सर्वश्रेष्ठ विद्यालयों में गिना जाता है | शिक्षा के क्षेत्र में प्रसिद्ध होते हुए भी

विद्यालय में उत्तम शिक्षा प्रदान करने का कोई भी वातावरण नहीं है। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हमारे विद्यालय में कर्मठ, योग्य, परिश्रमी शिक्षकों का होना आवश्यक है और महत्त्वपूर्ण विषयों के तो अध्यापक ही नहीं हैं ,जिससे शिक्षा प्रणाली अच्छी सुव्यवस्थित व सुचारु रूप से संचालित नहीं हो पा रही है। दसवीं व बारहवीं कक्षा के परिणाम अच्छे लाने के लिए छात्रों और अध्यापकों में पूर्ण रूप से उदासीनता का भाव है। यदि आप अतिरिक्त कक्षाओं की व्यवस्था कुशल अध्यापकों के निर्देशन में कर सकें तथा बच्चों को शिक्षा के प्रति मार्गदर्शन कर सकें तो अति कृपा होगी। बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए कुछ सख्त कदम उठाने की भी आवश्यकता है। विद्यार्थियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए जिससे क्षेत्र में विद्यार्थियों व विद्यालय के नाम रोशन हो | उम्मीद है आप इस समस्या का समाधान अवश्य करेंगे।

सधन्यवाद

भवदीया

तृप्ति रावत

दिनांक : 17 जनवरी 2019

16.

<u>चौधरी प्रकाशन</u>

- आवश्यकता है-15 मेहनती व उत्साही युवकों की
- आयु 20-25 वर्ष
- योग्यता-स्नातक या समकक्ष
- पुस्तकों का प्रचार करने हेतु यात्रा करने की अनिवार्य शर्त
- वेतन योग्यतानुसार।
- यात्रा और दैनिक भत्ता अलग से देय होगा

मिलें -२० से २८ फरवरी, २०१९ तक प्रातः 10 से 11 बजे के बीच सम्पूर्ण आवश्यक दस्तावेजों सहित

पता:- ६७,प्रेम नगर, नई सड़क नई दिल्ली।

संपर्क नं. :-९००१२५####

OR

कोका कोला पीजिए

ठंडा मतलब-------------? कोका कोला

जिन्दगी का आनन्द लीजिए।

"बच्चों, जवान व बूढ़ों को भाये।

गर्मी भगायें।"

17.

जन्मदिवस की शुभकामनाएँ

"तुम जियो हजारों साल

साल के दिन हो पचास हजार"

दिनांक: 25 सितम्बर 2020

प्रिय पुत्र पंकज आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ।

आप दीर्घायु हो, स्वस्थ रहें और जीवन में निरंतर उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहें। यही मेरी ईश्वर से प्रार्थना है।

ढेर सारे प्यार के साथ तुम्हारी माँ

OR

संदेश

12 अक्तूबर 2020

प्रातः 10:30 बजे

आदरणीय माता जी,

कुछ समय पहले शर्मा अंकल जी का फोन आया था। आप घर पर उपस्थित नहीं थी। मैंने फोन उठाया, उन्होंने कहा की जैसे ही आप आएँ मुझसे फोन पर बात अवश्य करें। हाँ, उन्होंने यह भी कहा है कि आपके ईमेल पर कुछ संदेश है, उसे अवश्य पढ़ लें।

गिरीश